मानननीय केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री ने बीएचईएल, बेंगलुरु के अत्याधुनिक डाटा सेंटर का उदघाटन किया

बेंगलुरु, 9 सितंबर: माननीय केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री, डॉ महेंद्र नाथ पांडे ने बीएचईएल के इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक सर्वसुविधा युक्त डेटा सेंटर का उद्घाटन किया। भारत की 'आजादी के अमृत महोत्सव' को मनाने तथा बीएचईएल की डिजिटल परिवर्तन यात्रा के एक चरण के रूप में इसे स्थापित किया गया है। ईडीएन का यह डेटा सेंटर बीएचईएल की बेंगलुरु स्थित तीनों इकाइयों अर्थात् सोलार बिजनेस डिवीजन (एसबीडी), इंडस्ट्रियल सिस्टम्स ग्रुप (आईएसजी) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन (ईडीएन) के डेटा सेंटर को भी समाहित करता है।

इन तीनों इकाइयों के डेटा सेंटरों को एक ही स्थान पर एक साथ स्थापित कर इन्हें एकीकृत किया गया है जिससे आईटी अधोसंरचना का इष्टतमीकरण, बेहतर डेटा सुरक्षा और परिचालन लागत में कमी आई है। कनेक्टिविटी की गति बढ़ाने और नेटवर्क ट्रैफिक के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए ईडीएन से लगभग 12 कि.मी दूर स्थित एसबीडी तथा आईएसजी इकाइयों से हाई-स्पीड मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (एमपीएलएस) के माध्यम से कनेक्टिविटी प्रदान की गई है।

माननीय मंत्री जी ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह नव-स्थापित डेटा सेंटर आज के डिजिटल इकोसिस्टम में उन्नत समाधान प्रदान करेगा। उन्होंने बीएचईएल द्वारा विकसित रिमोट मॉनिटरिंग एंड डायग्नोस्टिक सिस्टम (आरएमडीएस) की भी सराहना की। उन्होंने माननीय प्रधान मंत्री के सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदान करने के विजन को साकार करने की दिशा में, इसे एक प्रयास के रूप में सराहा। इस प्रणाली में विद्युत संयंत्रों में आने वाली समस्याओं के बारे में पूर्व सूचना देने की क्षमता है जो निवारक अनुरक्षण में सहायक हो सकता है। बीएचईएल के विभिन्न योगदानों के बारे में बताते हुए, उन्होंने कहा कि आपकी कंपनी भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे-मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत अभियानों में केंद्रीय भूमिका निभा रही है। माननीय मंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकार प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं जैसे अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए अंतरिक्ष-ग्रेड बैटरी एवं सौर पैनलों की आपूर्ति; पहले स्वदेशी विमान वाहक (आईएसी) विक्रांत के लिए एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली की आपूर्ति तथा देश के पहले एसी-ईएमयू के लिए ट्रैक्शन सिस्टम के विकास में इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।